भारत का अमृत महोत्सव
"झारखंड में प्राकृतिक वन की कार्बन भंडारण एवं सोखन क्षमता"
(*Carbon Storage and Sequestration Potentiality of Natural Forest in Jharkhand State*)
दिनांक : 15.06.2021

भारतीय आजादी को स्मरण करते हुए आजाद भारत के सतत विकास की उपलब्धी को जन-जन तक पहुचाने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा आहूत तथा भारत सरकार एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देशानुसार वन उत्पादकता संस्थान, रांची में क्रमवार साप्ताहिक चलने वाले "भारत का अमृत महोत्सव" कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 15.06.2021 को आभासीय मंच के द्वारा शारदा कृषि अनुसंधान एवं विकास संस्थान के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी अमरेश बिहारी झा द्वारा "झारखंड में प्राकृतिक वन की कार्बन भंडारण एवं सोखन क्षमता" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे लगभग 49 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

निदेशक द्वारा कार्यक्रम की रुपरेखा एवं अतिथियों के स्वागत के पश्चात "आजादी के अमृत महोत्सव" के तहत सिलसिलेवार चलने वाले विभिन्न विषयों पर साप्ताहिक कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। समूह समन्वयक (अनुसंधान) ने आज के विषय को वानिकी एवं पर्यावरणीय क्षेत्रों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि कार्बन के अध्ययन के बिना पारिस्थितिकी विज्ञान अधूरा है। कार्बन के विभिन्न प्रभावों का संक्षिप्त परिचय देते हुए डा. मिश्रा ने आज के आमंत्रित वक्ता श्री अमरेश बिहारी झा को अपनी प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया।

श्री अमरेश बिहारी झा ने कार्बन भण्डारण एवं सोखन पर विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन का डाटा प्रस्तुत करते हुए बताया कि विश्व के प्राकृतिक संसाधनों की बात करने के लिए कार्बन की चर्चा करनी ही होगी। झारखंड के वनावरण को 29.6% बताते हुए उन्होने बताया कि विभिन्न विकास कार्यक्रमों के कारण वनावरण कम हो रही है जबकि इंधन खपत की अधिकता के कारण कार्बन उत्सर्जन अधिक हो रहा है। उन्होने अपने अध्ययन के आधार पर बताया कि वन वर्धन गतिविधियां वाले क्षेत्रों में गैर वन वर्धन वाले क्षेत्रों की अपेक्षा कार्बन भण्डारण ग्राहिता अधिक पायी गई। पृथ्वी के ऊपर, पृथ्वी के नीचे तथा पृथ्वी पर अलग-अलग बायोमास एवं कार्बन भण्डारण को विस्तार से बताया। उन्होने जैविक , भौगोलिक एवं तकनीकी कार्बन ग्रहिता की चर्चा करते हुए सतह के उपर, सतह के नीचे, मृत लकड़ियों, पत्तियों तथा कार्बनिक पूल को विस्तार से बताया। साल वन, लता वन, घास वन तथा काष्ठ वन के अलग-अलग कार्बन भंण्डारण को प्रस्तुत

किया। प्रकृति में 1 टन कार्बन की मात्रा को 3.67 टन कार्बन डाइआक्साइड के बराबर बताते हुए उन्होने बताया कि अधिक से अधिक वनाच्छादन ही CO_2 की मात्रा को कम कर सकती है।

कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए समूह समन्वयक अनुसंधान सह कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. योगेश्वर मिश्रा ने AICRP कार्यक्रम की चर्चा करते हुए बताया कि इस परियोजना में भी विभिन्न प्रजाति के वृक्षों, लताओं की कार्बन ग्रहिता का अध्ययन किया जाना है। पैथोजन, पैथोलोजी एवं कार्बन भण्डारण का अध्ययन इन परियोजनाओं का मुख्य उदेश्य है। श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक-ई के शंकाओं का डा. मिश्रा एवं श्री झा ने वैज्ञानिकता के आधार पर समाधान किया। डा. योगेश्वर मिश्रा के धन्यवाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग, सूचना तकनीकी प्रभाग तथा सम्पदा प्रभाग का सराहनीय योगदान रहा।

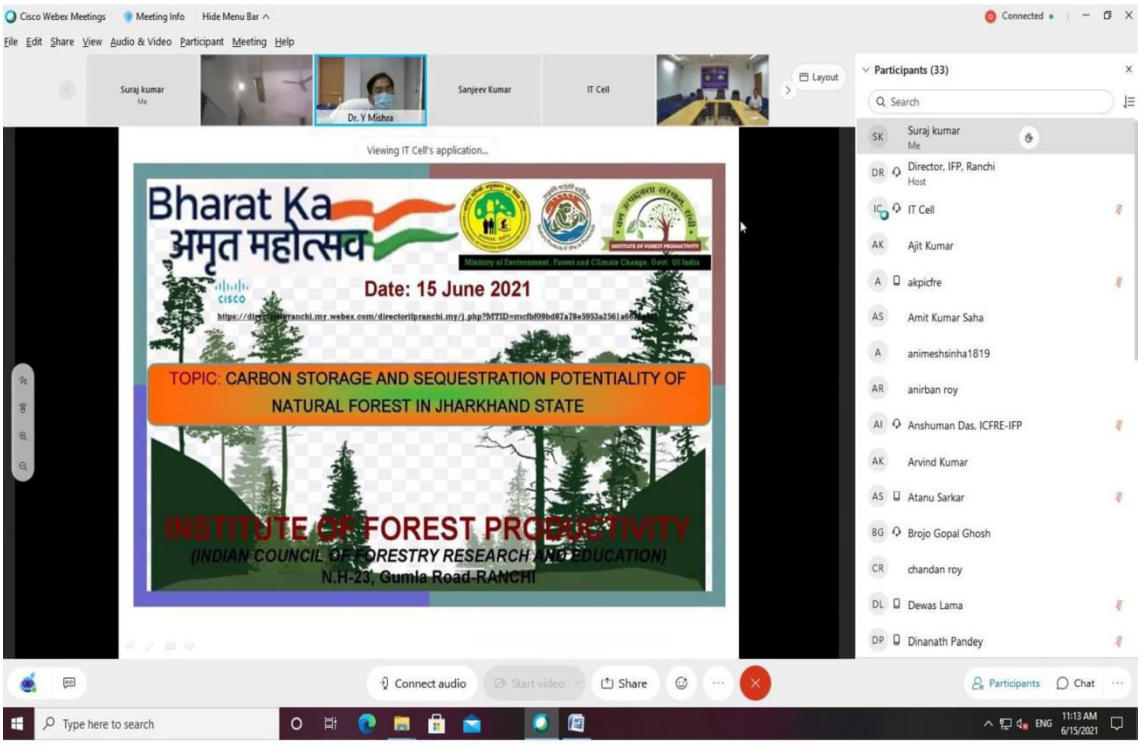

कार्यक्रम की झलकियां

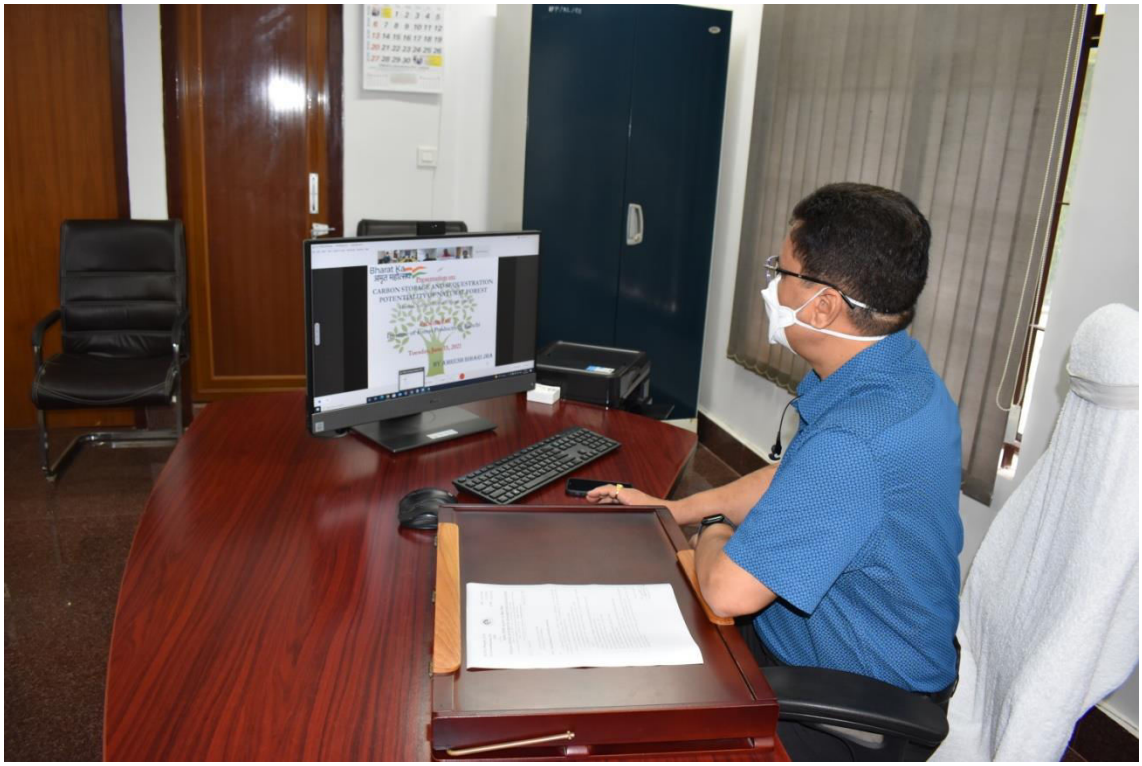

कार्यक्रम की झलकियां

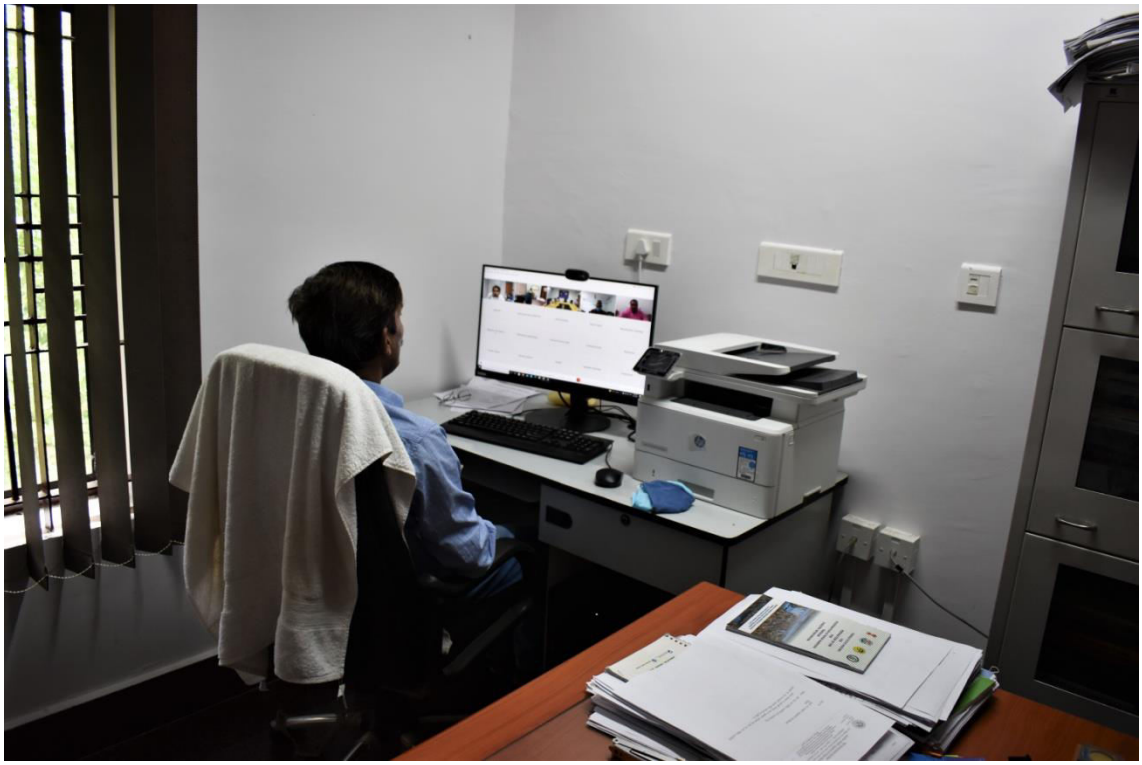

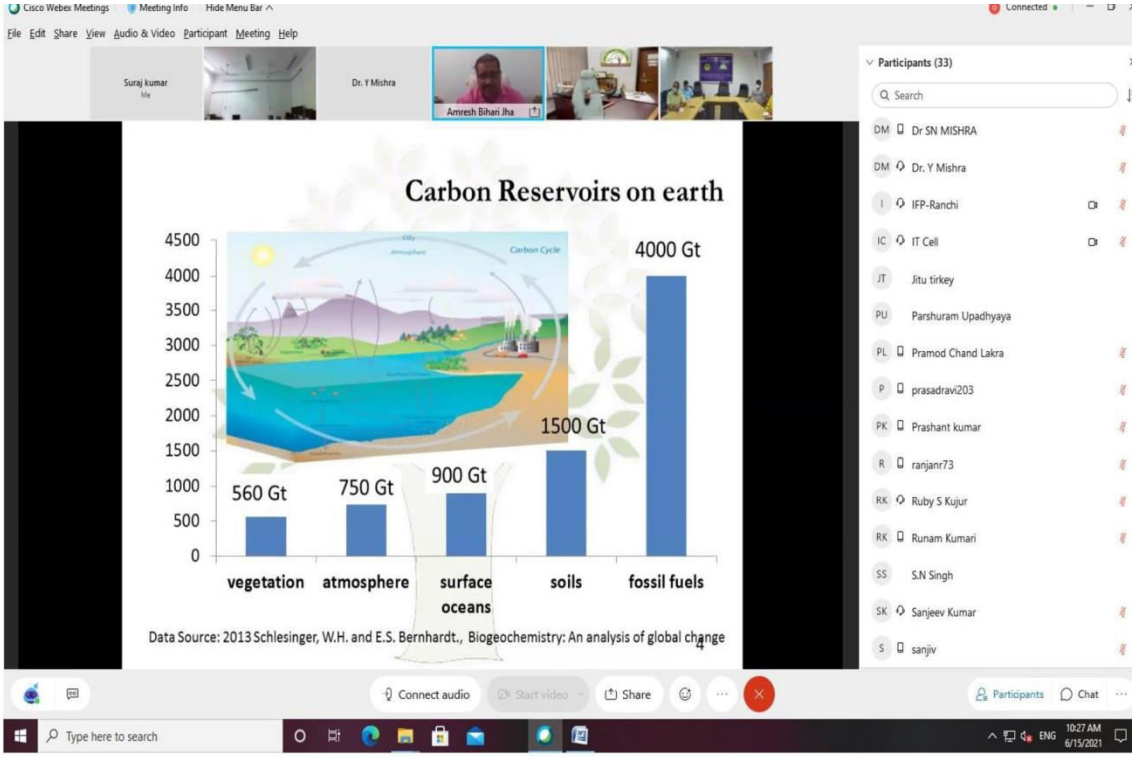

कार्यक्रम की झलकियां

कार्यक्रम की झलकियां

वन उत्पादन संस्थान के तत्वावधान में गोष्ठी आयोजित

वनों के सतत विकास से आमजनों को जागरूक करने पर बल

रांएसं

पिस्का नगड़ी : नगड़ी स्थित लालगुटवा में वन उत्पादकता संस्थान के तत्वाधान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर भारत सरकार एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के निर्देश के आलोक में संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी की अगुवाई एवं समूह समन्वयक अनुसंधान डा. योगेश्वर मिश्रा के मार्गदर्शन में झारखंड राज्य में प्राकृतिक वन की कार्बन भंडारण और अधिग्रहण क्षमता बिहार ने कार्बन स्टॉरेज और सीक्वेस्ट पोटेंशियलिटी ऑफ नेचुरल फॉरेस्ट की क्षमता के विषय पर आभासीय मंच के द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे आमंत्रित वक्ता अम्बरेश बिहारी झा, सीईओ श्रद्धा कृषि अनुसंधान एवं विकास पटना, बिहार ने झारखंड राज्य में झारखंड राज्य में प्राकृतिक वन की कार्बन भंडारण और जन्तो क्षमता विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा वन-वर्धित गतिविधि वाले क्षेत्रों में कार्बन का भंडारन अधिक होता है। डा. नितिन कुलकर्णी ने अपने स्वागत प्रस्तुति में अमृत महोत्सव के महत्व को बतलाते हुए कहा वन के सतत विकास से आम जन को जागरुक करने का एक माध्यम बताया। कार्यक्रम का संचालन रूबी सुसान कुजूर ने जबकि डा. योगेश्वर मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के डा. एस. एन. मिश्रा, एस. एन. चैध, निसार आलम, बी.डी. पंडित, श्री सूरज कुमार एवं बसंत कुमार का विशेष योगदान रहा।

रांची एक्स्प्रेस

प्राकृतिक वन संसाधन पर चर्चा

देशप्राण संवाददाता

भारत के अमृत महोत्सव में भाग लेते वैज्ञानिक।

पिस्का नगड़ी, 15 जून : नगड़ी स्थित लालगुटवा में वन उत्पादकता संस्थान के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर भारत सरकार एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के निर्देश के आलोक में संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी की अगुवाई एवं समूह समन्वयक अनुसंधान डा. योगेश्वर मिश्रा के मार्गदर्शन में झारखंड राज्य में प्राकृतिक वन को कार्बन भंडारण और अधिग्रहण क्षमता बिहार ने कार्बन स्टोरेज और सीक्वेस्ट पोटेंशियलिटी ऑफ नेचुरल फॉरेस्ट की क्षमता के विषय पर आभासीय मंच के द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आमंत्रित वक्ता अमरेश बिहारी झा, सीईओ श्रद्धा कृषि अनुसंधान एवं विकास पटना, बिहार ने झारखंड राज्य में झारखंड राज्य में प्राकृतिक वन की कार्बन भंडारण और जब्ती क्षमता विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा वन-वर्धिन गतिविधि वाले क्षेत्रों में कार्बन का भंडारन अधिक होता है। डा. नितिन कुलकर्णी ने अपने स्वागत प्रस्तुति में अमृत महोत्सव के महत्व को बतलाते हुए कहा वन के सतत विकास से आम जन को जागरुक करने का एक माध्यम बताया।

कार्यक्रम का संचालन रूबी सुसान कुजूर ने जबकि डा. योगेश्वर मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रन को सफल बनाने में संस्थान के डा. एसएन मिश्रा, एसएन वैद्य, निसार आलम, बी.डी. पंडित, सूरज कुमार एव बसंत कुमार का विशेष योगदान रहा।

देश प्राण

व्याख्यान का आयोजन

पिस्कानगड़ी. लालगुटुवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में मंगलवार को झारखंड के वन में कार्बन का भंडारण व सोखन क्षमता विषय पर आभासीय मंच द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसमें शारदा कृषि अनुसंधान एवं विकास, पटना के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेश बिहारी झा ने उक्त विषय पर व्याख्यान दिया. उन्होंने झारखंड के वनों में कार्बन शोषित करने वाले वृक्ष प्रजातियों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया. संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी ने भारत के अमृत महोत्सव का महत्व बताया. संचालन रूबी सुसान कुजूर व धन्यवाद ज्ञापन डॉ योगेश्वर मिश्रा ने किया. आयोजन में डॉ एसएन मिश्रा, एसएन वैद्य, निसार आलम, बीडी पंडित, सूरज कुमार व बसंत कुमार का योगदान रहा.

प्रभात खबर

कार्बन स्टोरेज और सीक्वेस्ट पोटेंशियलिटी ऑफ ... की क्षमता विषय पर आभासीय मंच ने कार्यक्रम ...

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

पिस्का नगड़ी : नगड़ी स्थित लालगुटवा में वन उत्पादकता संस्थान के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर भारत सरकार एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के निर्देश के आलोक में संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी की अगुवाई एवं समूह समन्वयक अनुसंधान डा. योगेश्वर मिश्रा के मार्गदर्शन में झारखंड राज्य में प्राकृतिक वन की कार्बन भंडारण और अधिग्रहण क्षमता बिहार ने कार्बन स्टोरेज और सीक्वेस्ट पोटेंशियलिटी ऑफ नेचुरल फॉरेस्ट की क्षमता के विषय पर आभासीय मंच के द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आमंत्रित वक्ता अमरेश बिहारी झा, सीईओ श्रद्धा कृषि अनुसंधान एवं विकास पटना, बिहार ने झारखंड राज्य में झारखंड राज्य में प्राकृतिक वन की कार्बन भंडारण और जब्ती क्षमता विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा वन-वर्धिन

राष्ट्रीय सागर

कार्यक्रम की झलकियां